ISSN : 2583-2948

गुल्लक

सुजाता पुरोहित
हिन्दी अध्यापिका,
हॉलीक्रॉस स्कूल
गंगटोक, सिक्किम
मो ० – 9932350840

थोड़ा थोड़ा रोज जमा कर रही हूँ मैं
जिंदगी का तजुरबा गुल्लक में .....

एक उम्र के बाद बालों पर छटकी चांदी
सिखा रही है हर कदम पर एक नई सीख
न रख किसी से कभी कोई उम्मीद
उम्मीद टूटती है तो दर्द बेहिसाब देती है

इसीलिए समय समय पर
थोड़ी खुशी, थोड़ी हिम्मत
डाल देती हूँ गुल्लक में
शायद कभी दिल रूठे, भरोसा टूटे तो काम
आ जाय "हिम्मत".....

कुछ आँसू कुछ रिश्ते बचाकर रखे हैं मैंने
डाल देती हूँ इन्हें गुल्लक में अपने
जब आस न हो,
करने को फरियाद कोई पास न हो
काम पड़े तो साथ न हो
तो साथ निभाने "आँसू" तो पास हों

ISSN : 2583-2948

इसलिए गुल्लक में छुपा कर रखा है

मैंने इन "आंसुओं" को.....

संचित कर के रखें हैं मैंने गुल्लक में

कुछ लमहें, यादें, वादे, कसमें

जीवन की पगडंडियों में

जो भूल जाये कोई अपना

कसमों को, वादों को

तो इन यादों को बनाकर सहारा

ताउम्र बिता सकूँ

इसलिए गुल्लक में संचित किया है

मैंने इन "लमहों" को .....

जमा कर रही हूँ गुल्लक में कुछ "सपने"

जो हकीकत में रंग न बदले

कुछ अपने कुछ बेगाने

जो न हुए पूरे "सपने" मेरे अपने

खुशी खुशी

भर दूँगी "बेगानों" में

इंद्रधनुषी रंग अपनेपन का

इसलिए गुल्लक में जमा कर रही हूँ

"तजुरबा" जिंदगी का .....